K. Naved M.A III Sem's
28/10/2021

20/10/2021

6

(a) निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति (Low Socio-economic status) — आर्थिक स्थिति का भी प्रभाव बच्चों के मानसिक विकास पर पड़ता पाया गया है। निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति वाले बच्चों को उचित वातावरण नहीं मिलने, शिक्षा का समुचित प्रबन्ध नहीं होने का दुष्परिणाम मानसिक विकास पड़ता है। फलतः इस पृष्ठभूमि वाले बच्चों का मानसिक विकास समुचित ढंग से नहीं हो पाता है और वे मानसिक रूप से मंदित रह जाते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि वातावरण सम्बन्धी आवश्यक तत्वों के अभाव में बच्चे संवेगात्मक रूप से उत्पन्न कुंठा (Frustration) या वंचना (Deprivation) के शिकार हो जाते हैं जिनसे उनमें मानसिक मंदता उत्पन्न हो जाती है।

(b) पारिवारिक पृष्ठभूमि (Family background) — मानसिक दुर्बलता तथा पारिवारिक पृष्ठभूमि में अत्यन्त घनिष्ठ संबंध मनोविज्ञानियों द्वारा पाया गया है। इस संबंध में डिंगोल्ड (Dingold) का मानना है कि समुचित लालन-पालन के अभाव में भी बच्चे मानसिक दुर्बलता से पीड़ित हो जाते हैं। कारसन (Carson, 1988) ने अपने अध्ययनों में पाया है कि जब बच्चों को माँ-बाप के स्नेह-प्यार से वंचित रह जाना पड़ता है, तो इससे भी मानसिक मंदता उत्पन्न होने लगती है। उचित स्नेह के अभाव में बच्चे कुछ असामान्य क्रियाएँ करने लगते हैं और धीरे-धीरे उनमें मानसिक मंदन प्रारम्भ हो जाता है। हेबर (Heber, 1970), गारजन एवं आइसेनबर्ग (Garzan and Eisenberg, 1972) ने अपने-अपने अध्ययनों में पाया है कि अगर बच्चों के माता-पिता का सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण

मैं परिवर्तन हो जाता है। अर्थात मद्यपानता व्याधि के लिए पुनर्बलन का भी कार्य करता है।

(C) वैवाहिक एवं अन्य घनिष्ठ सम्बन्ध (Marital and other intimate relationship) —

मद्यपानता के अन्य प्रमुख कारणों में असंतोषजनक वैवाहिक एवं अन्य घनिष्ठ सम्बन्धों को भी प्रमुख कारण माना जाता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि किसी भी कारणवश जब वैवाहिक एवं अन्य घनिष्ठ सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न हो जाता है तो व्यक्ति मद्यपान का सहारा लेकर पारिवारिक तनाव से पीछा छुड़ाने का प्रयास करने लगता है।

(9) सामाजिक सांस्कृतिक कारण (Sociocultural causes) —

किसी समुदाय या देश के सामाजिक एवं सांस्कृतिक तत्वों का भी प्रभाव मद्यपानता पर पाया जाता है। मद्यपानता के क्षेत्र में किए गए अध्ययनों से पता हुआ है कि व्यक्ति की प्रभावी बनावट में समाज की संस्कृतियों का पूरा असर होता है। अलग-अलग संस्कृतियों पर किए गए अध्ययन के आधार पर कारणों को मुख्यतः तीन भागों में बाँटा जा सकता है —

(a) जिस समाज की संस्कृति में प्रतिबल (Stress) या तनाव जितना अधिक होता है वहाँ मद्यपानता का प्रतिशत उतना ही अधिक होता है। इस तथ्य में हार्टन का अध्ययन महत्वपूर्ण है जिनके द्वारा लगभग 56 संस्कृतियों के अध्ययन के पश्चात यह निष्कर्ष निकाला गया कि जिन सामाजिक संस्कृतियों में असुरक्षा की भावना अधिक होती है, वहाँ मद्यपान

R Nawal M.A III Sem.
28/10/2021

मद्यपानता का प्रतिशत अधिक होता है।

(2) तेज सामाजिक विकास और सामाजिक विघटन को भी मद्यपानता का एक प्रमुख कारण माना जाता है। ट्रिंम, अमेरिका, विश्व पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि एस्किमुओं के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले व्यक्तियों में मद्यपानता एक गंभीर समस्या बन गई थी क्योंकि उनके जीवन शैली में तीव्र परिवर्तन आया था जो लगभग एक तरह से ही सामाजिक विघटन के तुल्य था।

(3) सामाजिक संस्कृति द्वारा मद्यपानता के प्रति लोगों में उत्पन्न मनोवृत्ति पर भी मद्यपानता की आवृत्ति तथा प्रबलता निर्भर करता है। मानुश कुमार ([illegible]) द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि मुस्लिम और मोर्मो लोगों में शराब के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति के कारण मद्यपानता बहुत ही कम पाई जाती है। इसके तुलना में ब्रिटेन तथा यूरोपियन संस्कृति से प्रभावित अन्य देशों में मद्यपानता अधिक पाई जाती है। फ्रांस में मद्यपानता का स्तर विश्व में सबसे अधिक पाया जाता है क्योंकि फ्रांस की संस्कृति में शराब को एक पवित्र पेय पदार्थ अर्थात् भोजन का एक आवश्यक अंग माना जाता है। इसके बिना भोजन की पूर्णता नहीं प्राप्त होती है।

कुछ समाजों खासकर इटली, चीन और यहूदी संस्कृतियों में नियमित मद्यपान की शिक्षा दी जाती है कि कब और कहाँ कितनी शराब पीनी चाहिए।

The End